जब जब पड़ी जरुरत तेरी

(तर्ज: जिनको जिनको सेठ बनाया...)

जब जब पड़ी जरुरत तेरी, आया है तू दौड़ के,
सिंहासन छोड़ के - सिंहासन छोड़ के,

इस मतलब की दुनिया में, तेरा एक सहारा है,
उसकी जीत करी तुमने, जो तेरे आगे हारा है,
हारे का तू साथ निभाता, सारे बंधन तोड़ के,
सिंहासन छोड़ के ....

तीन बाण धारी तूँ, कलयुग है अवतारी तूँ,
मोहन मदन मुरारी तूँ, लीले का असवारी तूँ,
चरणां माहीं शीश नवाऊँ, सांवरिया कर जोड़ के,
सिंहासन छोड़ के ....

बुरे वक़्त में सांवरिया, तूने साथ निभाया है,
जो नहीं सोचा जीवन में, सब कुछ तुमसे पाया है,
रस्ता दिखलाता है बाबा, सारी आफ़त मोड़ के,
सिंहासन छोड़ के ....

तू ही करता करने वाला, सांवरिया तेरी आस है,
तेरा हाथ रहेगा सर पे, ये मेरा विश्वास है,
'प्रियंका' तेरी से बाबा, रखना नाता जोड़ के,

सिंहासन छोड़ के ....

Source:
https://www.bharattemples.com/jab-jab-padi-zarurat-teri-aaya-hai-tu-daud-ke-singhasan-chhod-ke-singhasan-chhod-ke/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw